

BBPSRH/Parent/2024-25/62

4 DEC 2024

PREVENTING VIOLENCE AND PROMOTING POSITIVE CONFLICT RESOLUTION

Dear Parent,

In light of the recent tragic incident at a school in Delhi, where a scuffle between students led to the devastating loss of a young life, we are reminded of the dangerous consequences of physical violence. The heartbreaking event underscores the irreversible harm that can result from thoughtless aggression.

As educators, we are committed to nurturing an environment of respect, empathy, and peaceful conflict resolution. However, as parents, we urge you to engage in open discussions with your child about the importance of kindness, empathy, and non-violence.

- **The Importance of Words and Actions:** Sensitize your child that no disagreement, no matter how intense, justifies physical aggression. Violence, intimidation, or bullying can cause lasting damage to everyone involved. Encourage your child to choose words and actions that promote understanding, kindness, and respect.
- **Positive Conflict Resolution:** Help your child understand the value of resolving disagreements calmly. Teach them to step away from situations that could escalate into harm and to seek guidance from a teacher, counsellor, or a trusted adult when needed.
- **Understanding the Consequences of Aggression:** It is important for children to recognize that bullying and physical violence have serious consequences, both in terms of personal harm and legal implications. Any involvement in physical altercations, bullying, or intimidation will be treated as a serious offense and, if necessary, reported to the authorities as a juvenile matter.

While we continue to emphasize respect and empathy within the classroom, your support is essential in reinforcing these valuable lessons at home. Together, we can help our children grow into compassionate individuals who make thoughtful, peaceful choices in all situations.

Let us all commit to raising children who resolve conflicts with kindness and respect, creating a future where no child is subjected to violence or intimidation.

Regards



Geeta Gangwani
(Principal)

हिंसा रोकने और सकारात्मक विवाद समाधान को बढ़ावा देने के लिए

प्रिय अभिभावक,

हाल ही में दिल्ली के एक स्कूल में हुई दुखद घटना, जिसमें छात्रों के बीच झगड़े ने एक युवा जीवन को छीन लिया, ने हमें शारीरिक हिंसा के खतरनाक परिणामों की गहरी याद दिलाई है। यह हृदयविदारक घटना इस बात को उजागर करती है कि बिना सोचे-समझे की गई आक्रामकता से कितना अपरिवर्तनीय नुकसान हो सकता है।

शिक्षक होने के नाते, हम सम्मान, सहानुभूति, और शांतिपूर्ण विवाद समाधान के माहौल को पोषित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन अभिभावक के रूप में, हम आपसे आग्रह करते हैं कि अपने बच्चे के साथ दया, सहानुभूति और अहिंसा के महत्व पर खुली चर्चा करें।

शब्दों और कार्यों का महत्व: अपने बच्चे को यह समझाने की कोशिश करें कि कोई भी असहमति, चाहे वह कितनी ही तीव्र क्यों न हो, शारीरिक आक्रामकता को उचित नहीं ठहराती। हिंसा, डराने-धमकाने या बुलीइंग से हर किसी को स्थायी नुकसान हो सकता है। अपने बच्चे को यह प्रेरित करें कि वह समझ, दया, और सम्मान को बढ़ावा देने वाले शब्दों और कार्यों को चुने।

सकारात्मक विवाद समाधान: अपने बच्चे को यह सिखाएं कि असहमति को शांतिपूर्वक सुलझाने का मूल्य क्या है। उन्हें यह समझने में मदद करें कि वे ऐसे स्थितियों से दूर हो सकते हैं जो हानि में बदल सकती हैं और ज़रूरत पड़ने पर शिक्षक, काउंसलर या किसी भरोसेमंद वयस्क से मार्गदर्शन ले सकते हैं।

आक्रामकता के परिणामों की समझ: बच्चों को यह समझना महत्वपूर्ण है कि बुलीइंग और शारीरिक हिंसा के गंभीर परिणाम होते हैं, चाहे वह व्यक्तिगत नुकसान हो या कानूनी परिणाम। किसी भी शारीरिक झगड़े, बुलीइंग, या डराने-धमकाने में शामिल होना गंभीर अपराध माना जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर इसे किशोर न्यायालय के तहत अधिकारियों को रिपोर्ट किया जाएगा।

हम कक्षा में सम्मान और सहानुभूति पर जोर देना जारी रखेंगे, लेकिन घर पर इन महत्वपूर्ण पाठों को सुदृढ़ करने में आपका सहयोग आवश्यक है। साथ मिलकर, हम अपने बच्चों को ऐसे दयालु व्यक्तियों के रूप में विकसित करने में मदद कर सकते हैं, जो हर स्थिति में विचारशील और शांतिपूर्ण विकल्प चुनते हैं।

आइए, हम सब यह संकल्प लें कि हम ऐसे बच्चों का पालन-पोषण करेंगे जो विवादों को दया और सम्मान के साथ सुलझाते हैं, और एक ऐसा भविष्य बनाते हैं, जहां कोई भी बच्चा हिंसा या डराने-धमकाने का शिकार न हो।

सादर,
विद्यालय प्रशासन